जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. शेखर सिंह बघेल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 43
दिनांक 16.03.2022

समय अनुकूल किसान हितैषी शोध कार्यों को प्राथमिकता देना कृषि वैज्ञानिकों की महती जिम्मेदारी – डॉ. बिसेन
जनेकृविवि में 5वीं रिसर्च काउंसिल मीटिंग सम्पन्न

जबलपुर 16 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संचालनालय अनुसंधान सेवायें के मंथन सभागार में रिसर्च काउंसिल की मीटिंग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। डॉ. बिसेन ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि अनुसंधान व विज्ञान का चमत्कार ही है कि विभिन्न फसलों की 305 किस्मों को विवि द्वारा तैयार करना वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर आगामी समय में किसानों के हितार्थ एवं जलवायु परिवर्तन, उन्नत किस्में, खेती की तकनीक, तकनीकी का व्यवसायिक लाभ, जीआई टैग, पेटेंट संबंधित विशेष जानकारी एवं नवाचार हेतु कृषि के अनुसंधान की क्या रणनीति एवं कार्य होना चाहिए इस विषय पर गहन मंथन किया गया।

महत्वपूर्ण बैठक के आयोजक संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू द्वारा शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात प्रस्तुत की। इस दौरान निदेशक खरपतवार अनुसंधान निदेशालय आईसीएआर जबलपुर डॉ. जे.एस. मिश्रा ने कहा कि अनुसंधानों का लाभ सीधे किसानों तक पहुॅचे इसके लिये विशेष प्रचार–प्रसार की आवश्कयता है। एक विशेष रोड़ मैप तैयार कर इसे अमलीजामा पहनाना होगा।

बैठक में हमारे अन्नदाता किसान प्रतिनिधि के रूप में नरसिंहपुर जिले के प्रगतिशील किसान श्री राकेश दुबे एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के प्रगतिशील कृषक श्री केसलाल ने किसानों की कृषि क्षेत्र की अनेक व्यवहारिक समस्याओं से अवगत कराया एवं शोध के माध्यम से किस तरीके से कृषि विश्वविद्यालय उन्नयन एवं कार्य कर सकता है इस विषय पर अपनी बात रखी। रिसर्च काउंसिल की इस बैठक में विश्वविद्यालय के संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. दीप पहलवान, कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. शरद तिवारी, आईपीआरओ डॉ. शेखर सिंह बघेल एवं विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों के प्रमुख एवं विश्वविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष, अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़े कृषि वैज्ञानिक आदि की महत्वपूर्ण उपस्थिति रहे।

5वी रिसर्च काउंसिल वार्ता के प्रमुख बिंदु –

- ब्रीडिंग मटेरियल का पंजीयन विश्वविद्यालय के स्तर पर करना।
- नई किस्मों का विश्वविद्यालय स्तर पर बीज की उपलब्धता।
- तकनीकी को मान्यता एवं प्रभाव आंकलन करना।
- शोध की तकनीक का व्यवसायिक कैसे करें।
- विश्वविद्यालय के माध्यम से नवाचार का प्रचार प्रसार कैसे करें।
- अनुसंधान से संबंधित परियोजनाओं में उपकरणों की खरीदारी में केंद्रीय कमेटी सिस्टम तैयार करना।
- रिसर्च काउंसिल कमेटी में प्रगतिशील किसानों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए।
- फार्म मशीनरी का विश्वविद्यालय स्तर पर म्यूजियम तैयार करना।
- विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत रिसर्च एसोसिएट रिसर्च फेलो एवं यंग प्रोफेशनल हेतु व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा।
- नये कषि वैज्ञानिकों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार कर उनका सबमिट करना।
- विश्वविद्यालय के अंतर्गत 26 जिलों में महत्वपूर्ण धरोहर फसलों की पहचान एवं विवि स्तर पर व्यवसायिक उपयोगिता के साथ जी आई टैग हेतु प्रोत्साहन।

–000–